वर्ष: 11 - अंक : 220, मुंबई, बुधवार, 20 अक्टूबर, 2021 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादक: दिलशाद एस. खान

मूल्य 1 रु.

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®

अब हर सच होगा उजागर

॥ शुभ लाभ ॥

MIX MITHAI

• मोतीचूर लड्डू • काजू कतरी • काजू रोल
• बदाम बर्फी • मलाई पेड़े • रसगुल्ले

MM MITHAIWALA
Malad (W) Tel. : 288 99 501

हिंदुओं के खिलाफ होने वाले अत्याचार पर भाजपा सख्त

मुंबई। मालवणी परिसर में रहने वाले हिंदुओं पर होने वाले अत्याचार को गंभीरता से लेते हुए राज्य सरकार।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

एनसीबी के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंची शिवसेना

मुंबई। शिवसेना के एक नेता ने क्रूज पोत से मादक पदार्थों की कथित जब्ती के मामले में अभिनेता शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान की गिरफ्तारी के मद्देनजर उच्चतम न्यायालय में याचिका दायर कर है।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

सतरा प्लाजा में राजू पोपट व दिलीप टप्पू पूरी रात धड़ल्ले से 21 रमी टेबल, कैसीनो, तीन पत्ती और अनेक तरह के चला रहा है जुगार

जुगार संचालक राजू पोपट व दिलीप टप्पू की पूरी जानकारी जल्द पढ़े राष्ट्रीय अखबार दैनिक मुंबई हलचल में

युवा पीढ़ी, महिलाओं व सीनियर सिटीजन की जिंदगी जुगार की लत लगाकर खराब कर रहा है राजू पोपट व दिलीप टप्पू

सतरा प्लाजा पहिला व तीसरा माला 19/ऊपाम बीच रोड वाशी नवी मुंबइ में जुगार संचालक राजू पोपट व दिलीप टप्पू द्वारा चलाए जा रहे जुगार के अवैध धंधे में क्या पुलिस की है हिस्सेदारी?

सतरा प्लाजा पहिला व तीसरा माला 19/ऊपाम बीच रोड वाशी नवी मुंबई में चल रहा है अवैध रूप से जुगार का धंधा। वैसे देखा जाये तो महाराष्ट्र में जुगार के अड्डों की भरमार है। अखबारों में बार बार खबरें प्रकाशित होने के बाद भी पुलिस प्रशासन कर्तव्यविमूढ़ है। अब तो पुलिस प्रशासन भी भ्रष्टाचार के आकंठ में डूबा हुआ है। मटके और जुगार के धंधों में पुलिस प्रशासन की हिस्सेदारी ये दशार्ता है कि कानून व्यवस्था का कितना मजाक उड़ाया जा रहा है। यही कारण है कि जुगार जैसे अवैध धंधा करने वालों पर कोई भी कार्रवाही नहीं हो रही है। कार्यवाही वहीं होती है जहां जहां से माल नहीं मिलता है। इस अवैध धंधों के कारण कितने परिवार बर्बाद हो रहे हैं परंतु न ही सरकार को इसकी चिंता है और न ही पुलिस प्रशासन को। सामाजिक संगठनों व जागरूक नागरिकों का कहना है कि शिकायत के बावजूद पुलिस के आला अधिकारी और सरकार के कानों में जूं तक नहीं रेंग रही है। सरकार द्वारा जुगार क्लब एवं एक्कीस रमी टेबल, कैसीनो, तीन पत्ती पर प्रतिबन्ध लगाने के बावजूद सतरा प्लाजा पहिला व तीसरा माला वाशी में जुगार संचालक राजू पोपट व दिलीप टप्पू नामक व्यक्ति धड़ल्ले से जुगार चला रहा है। महाराष्ट्र सरकार और स्थानीय पुलिस से अपील है कि पूरी रात धड़ल्ले से जुगार चलाकर युवा पीढ़ी, महिलाओं व सीनियर सिटीजन को बर्बाद करने वाले संचालक राजू पोपट व दिलीप टप्पू पर जल्द से जल्द कड़ी कार्रवाई की जाये, ताकी हजारों युवा पीढ़ी, महिलाओं व सीनियर सिटीजन के जुगार की लत से बर्बाद हो रही जिंदगी बच सके।

चलती ट्रेन से उतरने के चक्कर में प्लेटफॉर्म गैप में गिरी गर्भवती महिला, देवदूत RPF कांस्टेबल ने ऐसे बचाई जान

मुंबई। मुंबई से सटे कल्याण रेलवे स्टेशन पर चलती ट्रेन से उतरने के चक्कर में एक गर्भवती महिला ट्रेन और प्लेटफॉर्म के गैप में गिर पड़ी। उसे गिरते देख मौके पर ड्यूटी पर तैनात रेलवे सुरक्षा बल(**RPF**) के एक जवान ने फुर्ती दिखाते हुए छलांग लगाई और महिला को पटरियों पर गिरने से पहले पकड़ लिया। (शेष पृष्ठ 3 पर)

पुणे में 400 रुपए का चालान काटने पर ट्रैफिक कॉन्स्टेबल पर कार चढ़ाने की कोशिश, बोनट पर टांग कर 800 मीटर तक घसीटा

पुणे। महाराष्ट्र के पुणे में एक कार चालक ने एक ट्रैफिक पुलिस कॉन्स्टेबल को कार की बोनट पर टांगकर करीब 800 मीटर तक घसीटा। घटना का वीडियो सामने आने के बाद आरोपी ड्राइवर को अरेस्ट कर लिया गया है। उस पर ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने और ऑन ड्यूटी एक कर्मचारी की जान संकट में डालने और हत्या के प्रयास का केस दर्ज किया गया है। शनिवार को हुई यह घटना पुणे के मुंडवा इलाके की है। मुंडवा पुलिस स्टेशन में तैनात कॉन्स्टेबल शेषराव जयभाव अपने कुछ साथियों के साथ दोपहर में ड्यूटी पर तैनात थे। इसी दौरान हड़पसर का रहने वाला प्रशांत श्रीधर कांतावर (43) अपनी कार को तेजी से भगाते हुए नजर आया। (शेष पृष्ठ 3 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

कश्मीर में आतंकी हमलों का नया दौर

कश्मीर में आतंकी हमलों का नया दौर दुखद ही नहीं, शर्मनाक भी है। बाहरी लोगों और विशेष रूप से बिहारवासियों को जिस तरह से निशाना बनाया गया है, उससे चिंता का दायरा बहुत बढ़ जाता है। मजदूरों और छोटे-मोटे धंधे करने वाले लोगों को मारने से किसका गौरव बढ़ रहा है? गरीबों की हत्या को आखिर किस आधार पर जायज ठहराया जा सकता है? कौन सा मजहब या कौन से राज्य की संस्कृति ऐसी हत्याओं का पक्ष ले सकती है? एक संदिग्ध संगठन ने प्रवासी मजदूरों पर हुए ताजा हमलों की जिम्मेदारी ली है और जो बहाना बनाया गया है, वह निंदनीय व हास्यास्पद है। इंसानियत पर धब्बा साबित हुए आतंकी चाहते हैं कि प्रवासी कश्मीर छोड़ जाएं, मानो कश्मीर उनकी व्यक्तिगत जायदाद हो? यह भी कहा गया है कि चूंकि बिहार में मुस्लिमों की हत्या हुई है, उसी का बदला लिया जा रहा है। बिहार या इतने बड़े देश में कहीं भी मुस्लिमों को निशाना बनाने जैसी कोई घटना नहीं है, इक्का-दुक्का हिंसक घटनाएं जो सामान्य रूप से होती आई हैं, उनमें पुलिस यथोचित कार्रवाई कर रही है। यह नहीं कहा जा सकता कि कश्मीर से बाहर देश में कहीं भी धार्मिक आधार पर विद्वेष की हवा चल रही हो। फिर भी अगर मजहब ही हत्या का आधार है, तो फिर सहारनपुर के सगीर अहमद को क्यों मारा गया? अपनी कुत्सित सुविधा के अनुसार, कभी बाहरी लोगों को, तो कभी गैर-मुस्लिमों को निशाना बनाना हर लिहाज से नाकाबिले बर्दाश्त है। इन वारदात को अंजाम देकर आखिर कहां मुंह छिपाएंगे आतंकी? उन्हें ठिकाने लगाए बिना भारत में न्यायप्रियता स्थापित नहीं हो सकती। उनके कुतर्कों का जवाब सजा से ही देना चाहिए। कश्मीर में इस महीने मारे गए सभी 11 नागरिकों को न्याय मिलना चाहिए। अब सदी बदल चुकी है, आतंकवाद को भारत में कतई कामयाबी नहीं मिलने वाली। जो लोग हिम्मत करके कश्मीर पहुंचे हैं, जो लोग वहां अर्थव्यवस्था को बल प्रदान कर रहे हैं, उनके साथ नाइंसाफी दरअसल कश्मीर के साथ नाइंसाफी है। कश्मीर के लोगों को स्वयं ऐसी हिंसा का विरोध करना चाहिए। मानवीय और तार्किक आधार पर सोचना चाहिए। कश्मीर के दुश्मन हैं वे लोग, जो बाहरी या मजहबी आधार पर हिंसा कर रहे हैं। उनका चेहरा आज से तीस साल पहले छिप गया था, लेकिन अब नहीं छिपना चाहिए। भारत में हर व्यक्ति की जिम्मेदारी है कि वह ऐसी हिंसा या सांप्रदायिकता के खिलाफ सावधान रहे। जो लोग कश्मीर में अमन चाहते हैं, उनके लिए यह परीक्षा की घड़ी है। यह अच्छी बात है कि बिहार सरकार अब कश्मीर में मारे जा रहे बिहारवासियों के परिजनों के साथ खड़ी हो गई है। हर राज्य को अपने नागरिकों की सुरक्षा और सम्मान के प्रति सचेत रहना ही चाहिए। अगर बिहारवासी को कहीं सताया जा रहा है, तो इसकी चिंता बिहार के लोगों के साथ-साथ सरकार को भी होनी चाहिए। उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड के लोगों का इस देश की अर्थव्यवस्था में बड़ा योगदान है, इनके हित में देश में नई सजगता आनी चाहिए। कश्मीर में जो मजदूर मारे गए, उन्हें बिहार सरकार ही अकेले मुआवजा क्यों दे, क्या केंद्र सरकार को भी आगे नहीं आना चाहिए? कश्मीर में पूरी राजनीतिक बिरादरी को एकजुट होकर आगे आना होगा, ताकि हिंसा के नए दौर को समय रहते समाप्त किया जा सके और कश्मीरियत के दामन पर और दाग न लगे।

अप्रासंगिक होता जाति समीकरण

पिछड़े वर्ग के होने से मोदी ने चुनावी रिकॉर्ड नहीं बनाया, बल्कि ऐसा एक दृष्टि और लक्ष्य वाले नेता की उनकी छवि की वजह से हुआ...

जाति किसी चुनाव की नियति निर्धारित कर सकती है, उसका परिणाम नहीं। जातिगत गठबंधन, सोशल इंजीनियरिंग और अंध अनुसरण की विश्वसनीयता भारतीय चुनाव के जटिल तत्व हैं। वर्षों से शीर्ष मनोवैज्ञानिक, राजनीतिक पंडित, दाव-पेंच के माहिर आदि जीत के सूत्र बताने और अनुमान लगाने के लिए प्रशंसित होते रहे हैं। चुनावी बाजार में उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और पंजाब के अहम चुनाव को लेकर चमत्कारी तरीके और वैकल्पिक स्थितियों के बारे में बतानेवाले सक्रिय हैं।

राष्ट्रीय राजनीति के भविष्य और उसकी राह तय करने में अपनी प्रासंगिकता के चलते चूंकि उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय चर्चा में ऊपर रहता है, प्रियंका गांधी की अति सक्रियता ने राजनीतिक स्थिति को बदल दिया है। दो अंकों से भी कम वोट शेयर के साथ कांग्रेस राज्य में महत्वपूर्ण कारक नहीं है। फिर भी प्रियंका गांधी को आगामी विधानसभा में संभावित प्रभावकारी के रूप में पेश किया जा रहा है।

उनके प्रशंसक उन्हें ऐसे नेता के रूप में देखते हैं, जो दलित, अल्पसंख्यक और उच्च जातियों जैसे पार्टी के परंपरागत मतों को वापस लाकर कांग्रेस के व्यापक चरित्र को पुनर्स्थापित कर सकती हैं। वे गांधी परिवार को जातिविहीन आदर्श मानते हैं, जबकि अखिलेश यादव, मायावती और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जैसे कांग्रेस के प्रतिद्वंद्वी ऐसे नहीं हैं।

उत्तर प्रदेश में कांग्रेस ने सत्ता में रहते हुए कभी किसी दलित या पिछड़े को मुख्यमंत्री नहीं बनाया। प्रियंका को जातिगत बातचीत को नजरअंदाज करने तथा गठबंधन और कल्याण को मुद्दे के रूप में प्रचारित करने की सीख दी गयी है। हाशिये पर होने के बावजूद कांग्रेस कार्यकर्ताओं को लगता है कि प्रियंका के होने से प्रदेश में जातिगत ध्रुवीकरण कमतर हो सकता है।

साल 1989 के बाद राज्य में जाति तब मुख्य कारक बना, जब मुलायम सिंह यादव ने जनता दल से नाता तोड़ कर और कांग्रेस का समर्थन लेकर अपनी कुर्सी बचायी थी। उसके बाद पिछड़े नेता कल्याण सिंह भाजपा के निर्विवाद नेता बने। हालांकि जाति की भूमिका रही थी, पर उनकी हैसियत से जनादेश मिल सका था। बाद में इन दोनों की हार भी हुई क्योंकि वे अपना वादा पूरा नहीं कर सके।

साल 2007 में मायावती और बसपा को निर्णायक जीत अकेले जातिगत जनाधार से नहीं मिली थी, बल्कि इसलिए कि उन्हें एक मजबूत नेता के रूप में देखा गया था, जो माफिया पर अंकुश लगा सकती थीं और बेहतर शासन दे सकती थीं। साल 2012 में वे इसलिए नहीं हारीं कि यह मॉडल ध्वस्त हो गया था, बल्कि इसकी वजह थी कि उन्होंने सार्वजनिक धन को स्मारकों

और अपनी मूर्तियां बनाने में खर्च कर दिया था।

मायावती को हरा कर जब अखिलेश यादव प्रदेश के सबसे कम उम्र के मुख्यमंत्री बने, तो उसे जाति की जीत नहीं माना गया, बल्कि वह एक असफल नेता की हार थी। अखिलेश को युवा होने, स्वच्छ छवि और आकर्षण का लाभ मिला। पिता मुलायम सिंह उनके पीछे खड़े थे। अखिलेश ने व्यापक इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाएं चलायीं और तकनीक को लाये। उन्होंने लखनऊ को आधुनिक शहर बना दिया। फिर भी वे हारे।

पारिवारिक लड़ाइयां और खासकर अन्य समुदायों का भरोसा बनाये रखने में उनकी पार्टी की विफलता उनकी हार की वजह बनीं। अखिलेश 2017 में शक्तिशाली राष्ट्रीय नेता नरेंद्र मोदी और भाजपा से हारे। केसरिया पार्टी को सत्ता इसलिए मिली कि मोदी का व्यक्तित्व जाति समीकरणों पर भारी पड़ा। बिना किसी घोषित मुख्यमंत्री उम्मीदवार के भाजपा को 300 से अधिक सीटें मिलीं।

एक बार फिर सभी योद्धा लड़ाई के लिए तैयार हैं। योगी, अखिलेश और मायावती अलग-अलग जातियों से हैं। फिर भी जनादेश जातिगत पहचान नहीं, काम पर निर्भर करेगा। प्रियंका गांधी महत्वाकांक्षा के चतुष्क को पूरा करनेवाली नेता के रूप में उभरी हैं। योगी का कड़ा रवैया और आक्रामक हिंदुत्व प्रतिद्वंद्वियों के लिए चुनौती है।

कानून-व्यवस्था पर कुछ प्रतिकूल प्रचार के बावजूद उन्होंने कई आर्थिक और सामाजिक सूचकांकों पर उल्लेखनीय काम किया है। उत्तर प्रदेश अब व्यापार सुगमता, कोरोना प्रबंधन और इंफ्रास्ट्रक्चर विकास में अग्रणी राज्यों में है। इस चुनाव में जाति नहीं, मुद्दा चलेगा। अब मतदाता उनके पीछे जायेंगे, जो उन्हें वर्तमान मुख्यमंत्री से बेहतर लगेंगे। आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, तमिलनाडु, केरल और दिल्ली में वोटरों ने जाति व समुदाय से परे होकर अपने नेता चुने हैं। जाति पश्चिम बंगाल में भी कारक नहीं थी। ओडिशा में नवीन पटनायक को लगातार पांचवी बार जीत मिली है। चुपचाप काम करना उनकी खासियत है।

राष्ट्रीय स्तर पर भी जाति निर्णायक भूमिका नहीं निभाती। नेता अस्मिता की राजनीति के तौर पर इसका इस्तेमाल करते हैं। जवाहरलाल नेहरू के बाद इंदिरा गांधी ने 16 वर्षों तक शासन किया क्योंकि वे पार्टी के लिए जातिविहीन देवी थीं। वे 30 माह के लिए ही एक गठबंधन द्वारा अपदस्थ हुईं। उनके बाद राजीव गांधी को नये भारत के नये चेहरे के रूप में पेश किया गया। पर, वे पांच साल बाद हार गये। उनके बाद स्वच्छ और मजबूत वीपी सिंह सभी गैर-कांग्रेस दलों के समर्थन से आये।

ऐसा उनकी क्षमता के कारण हुआ, न कि जाति से। चरण सिंह, चंद्रशेखर, देवगौड़ा और आइके गुजराल साधारण धूमकेतु की तरह आये और चले गये क्योंकि उनमें एकजुटता की क्षमता नहीं थी। वाजपेयी तीन बार प्रधानमंत्री बने क्योंकि वे सचमुच राष्ट्रीय नेता थे। फिर भी, 2004 में वे अपनी पार्टी के अहंकार और सहयोगी दलों के अलग हो जाने से हार गये। उनके बाद लोकप्रिय नेता नहीं, अर्थशास्त्री मनमोहन सिंह सत्ता में आये और दस वर्षों तक रहे।

उन्होंने गलतियां कीं और मोदी केंद्र में आ गये। पिछड़े वर्ग के होने से मोदी ने चुनावी रिकॉर्ड नहीं बनाया, बल्कि ऐसा एक दृष्टि और लक्ष्य वाले नेता की उनकी छवि की वजह से हुआ। केंद्र से राज्यों तक नेता की शैली और गुण से राजनीतिक भाग्य तय होता है, न कि उसके पार्टी के जातिगत समीकरण से। जातियों में विशेषाधिकार का भाव होता है। स्वामी विवेकानंद ने एक बार कहा था- ह्यपिता के कारोबार को पुत्र द्वारा हमेशा अपनाने के व्यवहार से जाति व्यवस्था का विकास हुआ है.ह्ल जब तक पिता के कारोबार को विरासत में प्राप्त करनेवाली संतानें समावेशी पहचान नहीं बनायेंगी, वे देर-सबेर नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के नये स्वरूप में कारोबार से बाहर हो जायेंगी।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस. खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर,एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, **फोन:9619102478 /9821238815** email: mumbaihalchal@gmail com संपादकः **दिलशाद एस. खान**, समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

मुंब्रा में बड़े ही शांति पूर्वक तरीके से मनाया गया ईद मिलादुन्नबी का त्यौहार

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा।19 अक्टूबर मंगलवार को पूरी विश्व में ईद मिलादुन्नबी का त्यौहार शांति पूर्वक मनाया गया दरअसल यह त्यौहार मुस्लिम समुदाय के प्रमुख हुजूर मोहम्मद सल्लल्लाहो ताला अलेही वसल्लम की जन्मदिन की खुशी में मनाया जाता है क्योंकि इन्होंने पूरे विश्व में अपने अच्छे अखलाक से इस्लाम को प्रख्यात किया है आपने हमेशा पूरे विश्व में भाई चारे का और मोहब्बत से एक दूसरे के साथ रहने का ही पाठ पढ़ाया है और आप की बताई हुई नीतियों पर आज पूरे विश्व का मुस्लिम समुदाय इनके बताए हुए रास्तों पर चलने की कोशिश करता है इसीलिए मुस्लिम समुदाय के लिए आज का दिन बड़ा ही पवित्र माना जाता है ऐसे ही मुंब्रा शहर में भी मुस्लिम समुदाय के लोगों ने यह त्यौहार को बड़े ही शांति पूर्वक तरीके से सरकार द्वारा जारी की गई गाइडलाइंस पर अमल करते हुए यह जुलूस को कामयाब बनाया मुंब्रा परिसर में दुकानों को बंद देखा गया और सड़कों पर इक्का-दुक्का ही रिक्शा नजर आई यह त्यौहार लोगों ने अपने घरों में रहकर अपने परिवार के साथ मिलकर ईद मिलादुन्नबी का त्यौहार मनाया यह कार्यक्रम मुस्लिम समुदाय के धर्मगुरु जनाब मोइन मियां के नेतृत्व में जुलूस निकाला जाएगा यह जुलूस मुंबई कॉलोनी से गशत करता हुआ मुंब्रा के सुल्तान हजरत ख्वाजा सैयद फखरुद्दीन शाह कादरी रहमतुल्लाताला अलेय के मजार के पास संपन्न किया जाएगा यह जुलूस में मुंब्रा क्षेत्र की जनता के साथ साथ कई राजनीतिक लोगों ने भी इस जलसे में शरीक होकर कामयाब बनाया गौरतलब बात यह है मुंब्रा पुलिस के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक मधुकर कड के मार्गदर्शन में पूरे पुलिस दल के साथ उपस्थित रहे ताकि किसी प्रकार का कोई भी व्यक्ति कानून का उल्लंघन नहीं कर सके

यूपी में शानोशौकत के साथ मनाया गया जश्ने ईद मिलादुन्नबी मुकद्दस तबरुर्कात की जियारत अम्न व सुकून के साथ हुई सम्पन्न

संवाददाता/अरमान उलहक

सम्भल। मंगलवार को जश्ने ईद मिलादुन्नबी का पर्व सम्पूर्ण भारत में शानो शौकत और शान्ति के साथ मनाया गया को उत्तर प्रदेश के जनपद सम्भल में ईद मीलादुन्नबी के मौके पर पैगम्ब-ए-इस्लाम के मूए-मुबारक तथा नक़्शे कदम की जियारत परम्परानुसार अम्न व सुकून के साथ संपन्न हुई। सुबह नौ बजे मरकजी मदरसा एहले सुन्नत अजमल उल उलूम मोहल्ला ठेर से काइदे जुलूस कारी तनजीम अशरफ अजमली रसूले पाक के दोनों मुकद्दस तबरुर्कात लेकर रवाना हुए। परम्परागत रास्ते से होते हुए लगभग दस बजे मुफ़्ती अजमल शाह कादरी के निवास पर पहुँचे। रास्ते में जगह जगह लोगों ने फूल बरसाकर स्वागत किया। चौक में पहुँच कर एक जलसा हुआ, जिसमें मौलाना इमरान मनजरी तथा ख़्वाजा कलीम अशरफ सम्भली ने रसूले पाक की सीरत बयान की, संचालन मुफ़्ती

आलम नूरी* ने किया। इस मौके पर बाबरी मस्जिद एक्शन कमेटी के राष्ट्रीय संयोजक व सम्भल लोकसभा क्षेत्र से सपा के सांसद जनाब डॉक्टर शफीकुर रहमान बर्क तथा सांसद प्रतिनिधि जियाउर रहमान बर्क साहब पूरे वक़्त मौजूद रहे और तबरुर्कात कि जियारत की। जियारत ले जाने वालों में मुफ़्ती इकराम, मुफ़्ती आसिफ मिस्बाही, मौलाना जहीरुल इस्लाम, मौलाना अहमद रजा, कारी वसी अशरफ, हाजी जफीर अहमद, सय्यद अब्दुल कदीर, फरीद अहमद एडवोकेट, तकी अशरफ,सम्भल की आवाज के सम्पादक पत्रकार अजीम अब्बासी,दैनिक राष्ट्रीय स्वरूप के पत्रकार उबेश दानिश, कारी सरताज, कारी शाहिद, शुऐब अशरफ अजमली, जमाल पधान आढ़ती, मुहम्मद अहमद नौशाही, मुहम्मद उमर, गुलवेज कमर* प्रमुख रूप से मौजूद रहे। दस बजे से लेकर दोपहर तक पुरुषों ने जियारत की, तथा दोपहर के बाद महिलाओं ने जियारत की। अपर पुलिस अधीक्षक, उपजिलाधिकारी, तथा सी०ओ० सम्भल, कोतवाल सम्भल, कोतवाल नखासा पुलिस बल के साथ मौजूद रहे। जियारत के अंत में नाजिमे आला कारी तनजीम अशरफ अजमली ने दुआ कराई, विशेष रूप से बीमारियों के खात्मे के लिए दुआ हुई। उन्होंने प्रशासन के सहयोग की प्रशंसा की। सभी जियारत करने वालों का शुक्रिया अदा किया, और शांति बनाए रखने के लिए धन्यवाद दिया।

पुणे में महालक्ष्मी माता को 16 किलो सोने से बनी साड़ी चढ़ाई गई, दर्शन के लिए भक्तों का लगा हुजूम

पुणे। दशहरे के अवसर पर पुणे में स्थित महालक्ष्मी माता के मंदिर में मंदिर प्रशासन द्वारा माता को 16 किलो सोने की साड़ी चढ़ाई गई। साल में केवल दो दिन दशहरा और दिवाली पर माता को यह साड़ी चढ़ाई जाती है। इसीलिए दशहरे के अवसर पर माता को साड़ी चढ़ाई गई। माता के दर्शन के लिए भक्तों का जमावड़ा भी देखने मिला। आज से 10 साल पहले दक्षिण भारत के कारीगरों ने यह साड़ी बनाई थी। जिसे बनाने के लिए 6 महीने का समय लगा था। यह साड़ी एक भक्त ने अपनी मनोकामना पूर्ण होने पर 10 साल पहले दी थी।

(पृष्ठ 1 का शेष भाग)

एनसीबी के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंची शिवसेना...

याचिका में मुंबई में स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) और इसके अधिकारियों की कार्यशैली की न्यायिक जांच कराने का अनुरोध किया गया है। याचिका में न्यायालय से आर्यन के मौलिक अधिकारों की रक्षा के लिए स्वतः संज्ञान लेने का आग्रह किया गया है। आर्यन को एनसीबी के क्षेत्रीय कार्यालय, मुंबई ने स्वापक औषधि और मनः प्रभावी पदार्थ अधिनियम (एडीपीएस) के तहत गिरफ्तार किया है। शिवसेना नेता किशोर तिवारी ने यह याचिका दायर की है। याचिका में कहा गया है, मैं मुंबई में एनसीबी की दुर्भावनापूर्ण शैली, दृष्टिकोण और प्रतिशोध की अनुचित कार्यशैली और इसके अधिकारियों द्वारा पिछले दो वर्षों से चुनिंदा फिल्मी हस्तियों तथा कुछ मॉडल को निशाना बनाए जाने की ओर ध्यान दिलाना चाहता हूं और एनसीबी अधिकारी की भूमिका का पता लगाने के लिए विशेष न्यायिक जांच तथा जांच शुरू करने का अनुरोध करना चाहता हूं। राकांपा नेता एवं महाराष्ट्र के मंत्री नवाब मलिक के उस बयान का हवाला देते हुए जिसमें उन्होंने एनसीबी पर आरोप लगाए थे, याचिका में कहा गया है कि सच्चाई को उजागर करने के लिए एनसीबी की जांच शीर्ष अदालत के न्यायाधीश द्वारा की जानी चाहिए। आर्यन क्रूज पोत से मादक पदार्थों की कथित जब्ती के मामले में मध्य मुंबई स्थित ऑर्थर रोड जेल में बंद है।

पुणे में 400 रुपए का चालान काटने पर ट्रैफिक कॉन्स्टेबल पर कार चढ़ाने की कोशिश, ...

उसे देख कॉन्स्टेबल शेषराव ने हाथ देकर उसे रोकना चाहा। श्रीधर ने कार तो रोक दी, लेकिन कॉन्स्टेबल को देख कहा, 'एक भी कॉन्स्टेबल ढंग का नहीं है, सभी यहां पैसे लेने के लिए खड़े हैं।' इस पर कॉन्स्टेबल शेषराव ने उससे पेपर मांगे। नहीं दिखाने पर 400 रुपए का चालान काट दिया। इससे पहले कि कॉन्स्टेबल चालान ले पाता कार चालक ने अपनी गाड़ी आगे बढ़ा ली। उसे ऐसा करता देख कॉन्स्टेबल कार के आगे खड़ा हो गया। आरोप है कि इतने पर भी कार चालक नहीं रुका और उसने कॉन्स्टेबल पर कार चढ़ाने की कोशिश की। लिहाजा जान बचाने के लिए कॉन्स्टेबल ने कार के बोनट पर छलांग लगा दी। कार चालक ने इसी स्थिति में कॉन्स्टेबल को तकरीबन 800 मीटर तक घसीटा। बाद में कॉन्स्टेबल कार से गिर गया और कार चालक कार लेकर फरार हो गया। फरार होने के बाद दो दिन तक पुलिस कार चालक श्रीधर को तलाशती रही और आखिरकार सोमवार शाम को उसे अरेस्ट कर लिया गया। गिरफ्तार हुए श्रीधर का कहना है कि उसने गलती से ऐसा किया। फिलहाल वह एक दिन की पुलिस कस्टडी में है और पुलिस ने उस पर हत्या के प्रयास का केस दर्ज किया है। इस घटना का एक वीडियो भी सामने आया है।

चलती ट्रेन से उतरने के चक्कर में प्लेटफॉर्म गैप में गिरी गर्भवती महिला...

महिला के जान बचाने की यह घटना प्लेटफॉर्म पर लगे उउळश कैमरे में कैद हो गई है। वीडियो सामने आने के बाद अब फ्छत्र्क की ओर से जवान को सम्मानित करने की बात कही जा रही है। कल्याण फ्छत्र्क के मुताबिक, घटना सोमवार दोपहर की है। चंद्रेश नाम के यात्री अपने बच्चे और आठ महीने की गर्भवती पत्नी के साथ गलत ट्रेन में चढ़ गए। उन्हें गाड़ी संख्या 02103 गोरखपुर एक्सप्रेस में जाना था। गाड़ी प्लेटफॉर्म से चलने के बाद उन्हें अपनी गलती का पता चला और फिर आननफानन में ट्रेन से उतरने के चक्कर में यह दुर्घटना हुई। चंद्रेश सबसे पहले अपने बेटे के साथ नीचे उतरे और फिर उनकी गर्भवती पत्नी ने उतरने का प्रयास किया और वह लड़खड़ा कर प्लेटफॉर्म के गैप में गिरने लगी। इसी दौरान वहां ड्यूटी पर तैनात आरपीएफ कांस्टेबल एस.आर खांडेकर ने उन्हें पकड़ कर अपनी ओर खींच लिया। इसे ऊपर वाले का करिश्मा ही कहे कि ट्रेन से गिरने के बावजूद 8 महीने की गर्भवती महिला को मामूली खरोंच आई और उनका बच्चा सुरक्षित था। इस घटना के बाद सेंट्रल रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शिवाजी सुतार ने घटना का सीसीटीवी फुटेज ट्वीट किया और यात्रियों से अपील की कि वे चलती ट्रेन में न चढ़ें और न ही उतरें।

हिंदुओं के खिलाफ होने वाले अत्याचार पर...

और स्थानीय प्रशासन को दोषियों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए। सोमवार को मुंबई भाजपा अध्यक्ष मंगलप्रभात लोढ़ा के नेतृत्व में भाजपा के एक प्रतिनिधमंडल ने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों से मिलकर उन्हें ज्ञापन सौंपते हुए यह मांग की। पुलिस अधिकारियों मुलाकात करने के बाद लोढ़ा ने कहा कि 'मालवणी पैटर्न' पर स्थानीय प्रशासन द्वारा लीपापोती करने तथा दोषियों के विरुद्ध नरम रूख अपनाने को लेकर वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों से इसकी शिकायत की गई है। लोढ़ा ने मालवणी में हिंदुओं को प्रताड़ित करने की घटना को गंभीर मानते हुए आरोप लगाया कि स्थानीय पुलिस प्रशासन की विफलता के कारण बड़ी संख्या में दलित हिंदू परिवार वहां से पलायन कर रहे हैं। लेकिन पुलिस प्रशासन असामाजिक तत्वों के साथ सख्ती से निपटने में विफल साबित हुई है। विगत कई वर्षों से घुसपैठिए मुसलमान वहां अवैध रूप से बस रहे हैं तथा स्थानीय दलित हिंदु परिवारों को डरा-धमकाकर परेशान कर पलायन करने को मजबूर कर रहे हैं। इस संबंध में पीड़ित दलित हिंदू परिवारों ने कई बार स्थानीय प्रशासन से कार्रवाई करने का निवेदन किया, फिर भी अब तक यह नहीं रूक पाया है। इसपर सख्त कदम उठाया जाये। प्रतिनिधिमंडल में शामिल भाजपा विधायक नितेश राणे ने कहा कि हमने वरिष्ठ अधिकारियों से मांग की है कि हाईकोर्ट के रोक के बावजूद भी वहां के मस्जिदों में लाउडस्पीकर क्यों लगा है। मस्जिदों से तत्काल लाउडस्पीकर हटाया जाए।

लगातार माईकिंग कराकर लोगों को करें सतर्क :जिलाधिकारी

बेतिया। भारत मौसम विज्ञान विभाग, बिहार एवं आपदा प्रबंधन विभाग, बिहार द्वारा पश्चिम चम्पारण जिले में 21 अक्टूबर तक भारी वषार्पात एवं वज्रपात होने का हाई अलर्ट जारी किया गया है। साथ ही नेपाल में भी भारी बारिश की संभावना व्यक्त की गई है। जिलाधिकारी, श्री कुंदन कुमार ने भारी वषार्पात एवं वज्रपात के प्रभाव से निपटने हेतु जिला आपदा प्रभारी पदाधिकारी, प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, अंचलाधिकारी, एसडीआरएफ को अलर्ट मोड में रहकर ऐहतियातन सभी आवश्यक कार्रवाई करने का निदेश दिया गया है। साथ ही सभी अनुमंडल पदाधिकारी को उक्त कार्य का सतत अनुश्रवण एवं लगातार समीक्षा करने हेतु निदेशित किया गया है। उन्होंने निदेश दिया कि कहा कि पश्चिम चम्पारण जिले में अत्यधिक वषार्पात, वज्रपात एवं नदियों के बढ़ते जलस्तर से बचाव हेतु सभी आवश्यक तैयारियां अपडेट रखी जाय। उन्होंने आपदा प्रबंधन से संबंधित पदाधिकारियों को निदेश दिया कि ऐहतियातन दियारावर्ती, सीमावर्ती एवं गंडक नदी के आसपास रहने वाले निवासियों को सतर्कतापूर्वक आवागमन करने एवं सुरक्षित स्थलों पर वास करने की जानकारी मुहैया करायी जाय। इन स्थलों पर माईकिंग के द्वारा सभी निवासियों को अलर्ट रहने एवं सुरक्षित स्थलों पर सतर्कतापूर्वक वास करने को कहा जाय। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी संबंधित कार्यपालक अभियंता, कनीय अभियंता तटबंधों/घाटों पर पूरी सतर्कता एवं आवश्यक संसाधनों के साथ पेट्रोलिंग करते रहेंगे। जिन स्थानों पर कटाव की संभावना ज्यादा है वहाँ पर्याप्त मात्रा में सभी सुरक्षात्मक सामग्रियां उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे। जिलाधिकारी द्वारा अधिकारियों को निदेश दिया गया है कि अत्यधिक वषार्पात, वज्रपात के मद्देनजर सभी संवेदनशील पंचायतों में राहत शिविरों, सामुदायिक रसोई घरों का संचालन करने हेतु सभी तैयारियां अपडेट रखी जाय। साथ ही पर्याप्त संख्या में उच्च कोटि के नावों की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निदेश जिलाधिकारी द्वारा दिया गया है। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाय कि नावों पर क्षमता से अधिक सामान एवं यात्रियों को नहीं बैठाया जाय। उन्होंने सख्त हिदायत दिया कि किसी भी परिस्थिति में अनाधिकृत रूप से नावों का परिचालन नहीं हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाय। बेतिया नगर निगम के आयुक्त सहित सभी नगर निकायों के कार्यपालक पदाधिकारी को निदेश दिया गया है कि भारी बारिश, तेज आँधी, वज्रपात के मद्देनजर शहरी क्षेत्रों में जन-जीवन सामान्य बनाये रखने के लिए सभी संसाधनों को अपडेट रखेंगे तथा सभी अधिकारियों को अलर्ट मोड में रखेंगे। कार्यपालक पदाधिकारी, विद्युत विभाग को आंधी-तूफान के दौरान बिजली पोलों, तारों पर पैनी नजर बनायें रखने को कहा गया है। अगर कोई बिजली पोल या तार क्षतिग्रस्त होता है तो अविलंब उसकी मरम्मति कर बिजली आपूर्ति सुचारू करें। साथ ही टीम का गठन कर जिले के सभी बिजली तारों एवं पोलों का मुआयना करने का भी निदेश जिलाधिकारी द्वारा दिया गया है। सड़क निर्माण से जुड़े सभी कार्यपालक अभियंताओं को निदेश दिया गया कि सभी पथों/पहुँच पथों की सतत निगरानी की जाय। नदी के कटाव, अत्यधिक वषार्पात से क्षतिग्रस्त सड़कों/पहुँच पथों की मरम्मति अविलंब कराना सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी द्वारा जिलेवासियों से अपील की गयी है कि अनावश्यक रूप से घर से नहीं निकलें। भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा भारी वषार्पात एवं वज्रपात को लेकर जारी अलर्ट को अत्यंत ही गंभीरता से लें। जिलेवासी उचित सावधानी एवं सुरक्षा के उपाय बरतें। बिजली चमकने या गड़गड़ाहट की आवाज सुनाई देने के बाद किसान तथा नागरिक पक्के घर में शरण लें। तटवर्ती एवं निचले इलाकों में निवास करने वाले व्यक्ति इस दौरान सुरक्षित स्थलों पर चले जाएं। घरों में रहें, अपने तथा अपने परिवार के बचाव हेतु सतर्क रहें। अनावश्यक यात्रा से बचें, अतिआवश्यक कार्यवश निकलने पर पूरी सतर्कता बरतें। वषार्पात एवं वज्रपात के दौरान अपने बच्चों को घरों में रखें, उन्हें बाहर नदी, तालाब, पोखरा, गड्ढ़ा की ओर नहीं जाने दें। किसान अपने मवेशियों को खुले में नहीं बांधे, सुरक्षित स्थलों पर रखें।

विकास को गति देकर देश को शक्तिशाली बनाएगी प्रधानमंत्री गति-शक्ति परियोजनाः कुमारी मोनी पांडे

भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश प्रदेश कार्यसमिति सदस्य कुमारी मोनी पांडे ने प्रधानमंत्री मोदी द्वारा की गई योजना का किया स्वागत सिद्धार्थनगर। देश के विकास और एक ताकतवर देश के रूप में उसके कायाकल्प को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विजन अद्भुत है। प्रधानमंत्री गति-शक्ति परियोजना देश के प्रति प्रधानमंत्री की सोच की झलक दिखाती है। संपूर्ण हो जाने पर यह परियोजना देश के विकास को पंख लगा देगी, वहीं दुनिया में भारत को एक शक्तिशाली देश के रूप में स्थापित करेगी। यह बात भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की प्रदेश कार्यसमिति सदस्य कुमारी मोनी पांडे ने ह्यप्रधानमंत्री गति-शक्तिह्न परियोजना के शुभारंभ पर प्रधानमंत्री श्री मोदी के प्रति धन्यवाद क्या बात करते हुए योजना का स्वागत जताते हुए कही। भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य भाजपा युवा नेत्री कुमारी पांडे , ने 107 लाख करोड़ की लागत वाली प्रधानमंत्री गति-शक्ति परियोजना को देश का कायाकल्प करने वाली बताते हुए कहा कि यह परियोजना देश को आत्मनिर्भरता और विकास के रास्ते पर तेजी से बढ़ाएगी, साथ ही देश में तेज विकास के लिए जरूरी अधोसंरचना और लाखों युवाओं को रोजगार के अवसर भी उपलब्ध कराएगी। उन्होंने कहा कि सड़क संपर्क को बढ़ावा देने के लिए इस परियोजना में 2 लाख कि.मी. हाईवे का प्रस्ताव है, वहीं देश के व्यापारिक विकास में रेलवे की सहभागिता बढ़ाने के लिए रेलवे की क्षमता को 1600 लाख मिलियन टन तक ले जाने का संकल्प भी है। उन्होंने कहा कि इसमें देश में 22 एयरपोर्ट और एयरस्ट्रिप तैयार करने का प्रस्ताव भी है, जिससे देश में एयर कनेक्टिविटी का विकास होगा। उन्होंनेकहा कि इस परियोजना में 38 इलेक्ट्रॉनिक क्लस्टर बनाने, 35000 कि.मी. गैस पाइपलाइन तैयार करने और 109 फार्मा क्लस्टर के विकास का प्रावधान है। परियोजना की सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि देश को रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में शक्तिशाली बनाने के लिए रक्षा निर्यात को 1.7 लाख करोड़ तक पहुंचाने का लक्ष्य भी रखा गया है। भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य कुमारी पांडे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि गति-शक्ति परियोजना यह बताती है कि देश के कायाकल्प की सोच रखने वाली किसी सरकार का देश का विकास के प्रति नजरिया कैसा होना चाहिए। लेकिन दुर्भाग्य से आजादी के बाद के 70 सालों में किसी नेता या सरकार में यह दृष्टि दिखाई नहीं दी। आशा जताई कि केंद्र सरकार के 16 विभागों के संयोजन से तैयार की गई यह परियोजना देशवासियों के जीवन को आसान और देश को व्यापार का स्वर्ग बनाएगी, भाजपा युवा नेत्री कुमारी पांडे ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की हमेशा राष्ट्र के विकास के लिए सोच रही है और वह निरंतर अपनी योजनाओं के माध्यम से जनता कोला बंद करना चाहते हैं और ताकि भारत आत्मनिर्भर की ओर बढ़े और जनता इसका लाभ ले।

मा. श्री डॉक्टर महेंद्र नाथ पाण्डेय जी
(केन्द्रीय भारी उद्योग मंत्री, भारत सरकार) को
जन्म दिवस की शुभकामनायें देते हुए श्री रवि मिश्रा
(राष्ट्रीय प्रवक्ता - भारतीय जनता मजदूर संघ)

राज्य स्तरीय नारी शक्ति पुरस्कार से रुबीना पटेल को सम्मानित किया गया

मधुर भंडारकर और ऐक्ट्रेस आयेशा ऐमन कांदिवली में शिवा'ज सैल्यूट सैलून के उद्घाटन पर आये

मुम्बई के बांद्रा और विले पार्ले (पूर्व) में हाल ही में शिवा'ज के सैल्यूट सैलून के सफल लॉन्च के बाद, दशहरा के पावन अवसर पर शहर के एक और बेहतरीन इलाके कांदिवली वेस्ट में नई थीम वाले शिवा'ज सैल्यूट की तीसरी ब्रांच की ओपनिंग हुई। यह सैलून सभी सुरक्षा बलों को समर्पित है, डीसीपी विशाल ठाकुर ने रिबन काटने और SALUTE सैलून का उद्घाटन करने के बाद कहा। उन्होंने शिवा को शुभकामनाएं दीं और सेना और पुलिस बलों से जुड़ी कई वस्तुओं, फोटो, बैज और प्रतीकों को इकट्ठा करने के लिए किए गए प्रयासों की प्रशंसा की। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म निर्देशक मधुर भंडारकर, लॉकडाउन और कोरोना वायरस संकट पर आधारित भंडारकर की नई फिल्म में अभिनय करने वाली मिस इंडिया इंटरनेशनल आयशा ऐमान, ब्राइट आउटडोर के डॉ. योगेश लखानी, राजीव खंडेलवाल और सुरेश भंडारी ने भी शिरकत की। इस सैलून को अनोखे ढंग से सजाया गया है। सैल्यूट सैलून के मेन दरवाजे पर आर्मी जीप है। गौरतलब है कि भारतीय फौजियों की वीरता और बहादुरी को श्रद्धांजलि देने के रूप में सैलून का नाम सलूट रखा गया है। नेशनल अवार्ड विजेता फिल्म निर्देशक मधुर भंडारकर ने यहां मीडिया से बात करते हुए कहा कि इस अनोखे कॉन्सेप्ट के पीछे हेयर स्टाइलिस्ट, शिवा की हद से ज्यादा मेहनत है। मैं भारत के फौजियों को एक सैलून समर्पित करने के उनके प्रयासों के लिए उन्हें सलाम करता हु। यह शिवाज सैलून की मुम्बई में 23 वीं ब्रांच है जबकि सैल्यूट की यह तीसरी शाखा है। मुझे उम्मीद है कि जल्द ही वह 25वीं ब्रांच भी शुरू कर लेंगे। चांदनी बार, पेज 3, ट्रैफिक सिग्नल, फैशन जैसी बेहतरीन फिल्मों के लिए मशहूर डायरेक्टर ने इस बात पर खुशी जाहिर की कि महाराष्ट्र में 22 अक्टूबर से सिनेमाघर खुल रहे हैं। महाराष्ट्र देश की सबसे बड़ी टैरेटरी है ऐसे में थेटर्स का ओपेन होना एक अच्छा संकेत है। मधुर भंडारकर ने यहां अपनी अगली फिल्म इंडिया लॉकडाउन के बारे में बताया कि हम जल्द ही इस फिल्म के बारे में आप लोगो को बताएंगे कि इसे सिनेमाघरों में रिलीज करेंगे या ओटीटी पर। इस फिल्म में सोसाइटी के अलग अलग क्षेत्रों के लोगों पर कोरोना वायरस के कारण लगे लॉकडाउन के असर को दशार्या जाएगा। इस फिल्म में अदाकारी कर रही ऐक्ट्रेस आयेशा ऐमन भी सलूट के उद्घाटन समारोह में अतिथि के रूप में मौजूद थीं। उन्होंने शिवा को ढेर सारी मुबारकबाद दी और कहा कि इस तरह के सैलून को मैं पहली बार देख रही हूं। इसकी थीम निराली है और यहां फौजियों से जुड़ी कई अनूठी चीजे जमा की गई हैं जो एक संग्रहालय जैसा लुक दे रही हैं। फौजी हमारे देश और हमारे देशवासियों के लिए अपना सबकुछ त्याग देते हैं। सैल्यूट सैलून दरअसल उन तमाम फौजियों, शहीदों को याद करता है, उन्हें सलाम करता है। यह शिवा की एक बेहतरीन पहल है। इस अवसर पर, शिवा ने कहा कि सैल्यूट शब्द का नाम लेते ही तुरंत ही वर्दी में हमारे फौजियों के प्रति गर्व का एहसास जाग जाता है। हमारे सैलून सैल्यूट में प्रवेश करते ही देशभक्ति की भावनाएं भी जागती है। सैलून के अंदरूनी हिस्से को इस तरह सजाया गया है कि फौजी की याद आ जाती है। मधुर भंडारकर मेरी फैमिली के हिस्सा हैं। उनका बहुत शुक्रिया कि वह हमेशा मुझे प्रोत्साहित करने के लिए मेरे साथ आते हैं। हरे रंग का कोट पहने शिवा ने यहां एलान किया कि मुनाफे का एक हिस्सा सेना कल्याण कोष में जाएगा। गौरतलब है कि पूरे मुम्बई में शिवा के 23 सैलून है। शिवा के सैल्यूट में, हेयर स्टाइलिस्टस को खास तौर पर मिलिट्री स्टाइल के बाल काटने और ओवर आल मिलिट्री लुक प्रदान करने के लिए प्रशिक्षित किया गया है। यह नेक्स्ट जेनेरेशन को यह याद दिलाने का एक प्रयास है कि कैसे भारतीय सेना हमेशा हमारी सीमाओं की रक्षा के लिए चौबीसों घंटे तय्यार रहती है और भारत के लोगों की सुरक्षा के लिए अपनी जान की कुबार्नी भी दे देते हैं। शिवा का सैल्यूट सैलून कांदिवली वेस्ट में एकता भूमि अपार्टमेंट, पंचोलिया स्कूल रोड, महावीर नगर में स्थित है।

आखिरकार महाराष्ट्र सरकार ने दुकानों और रेस्टोरेंट के लिए समय बढ़ाया

कनफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) द्वारा लगातार सरकार से दुकानों के समय को बढ़ाने की मांग की जा रही थी पिछले दिनों में कॉविड का लगातार घटता प्रभाव और मामलों में 17 महीने के निचले स्तर और मृत्यु दर में भी गिरावट के बाद महाराष्ट्र सरकार ने आज जारी किए आदेश के मुताबिक दुकानों और रेस्तरां को लंबे समय तक संचालित करने और मनोरंजन पार्कों को 22 अक्टूबर को फिर से खोलने की अनुमति देने के लिए प्रतिबंधों में ढील दी इस फैसले का स्वागत करते हुए कैट के महानगर अध्यक्ष एवं अखिल भारतीय खाद्य तेल व्यापारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शंकर ठक्कर ने कहा आगे त्योहारों के दिनों को देखते हुए ग्राहक बाजारों में बड़ी तादाद में आते हैं और ऐसे में पूरे समय के लिए दुकानें खुली रखने की मंजूरी मिलने से भीड़ होने की संभावनाएं कम हो जाती राज्य सरकार द्वारा लिए गए इस फैसले के लिए माननीय मुख्यमंत्री एवं राज्य सरकार के आभारी हैं। फिलहाल व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को रात 10 बजे तक बंद करना पड़ता है। अब मुंबई में दुकानों का समय रात 11 बजे तक और रेस्टोरेंट को रात 12 बजे तक खुले रखने की अनुमति दी गई। मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे और कोविद टास्क फोर्स के बीच बैठक में यह निर्णय लिया गया। ठाकरे के निर्देश पर राज्य प्रशासन द्वारा दुकानों, रेस्तरां और बार के लिए विस्तारित समय की घोषणा की गई है। ठक्कर ने आगे कहा दुकानों को पूरे समय तक खुली रखने की अनुमति नहीं मिल रही थी दूसरी तरफ कोरोना काल में ग्राहकों ने डर के चलते बाजारों में आना कम कर दिया था और अधिकतर ग्राहक ऑनलाइन खरीदी करने के आदि हो रहे हैं एवं ऑनलाइन व्यापार के लिए कोई समय सीमा नहीं होती है यह देखते हुए सरकार को हमने त्योहारी सीजन को मद्देनजर एवं खुदरा क्षेत्र को लॉकडाउन के दौरान हुए नुकसान को कम करने के लिए समय बढ़ाने की मांग राज्य सरकार के पास रखी थी। कैट ने सर्वसम्मति से इस कदम का स्वागत किया है क कैट के महानगर वाइस चेयरमैन दिलीप माहेश्वरी ने कहा कि एसोसिएशन ने समय के मुद्दे पर सरकार को बार-बार याचिका दी थी। आगे कहा, चूंकि मुंबई पूरे देश में सबसे प्रतिबंधित क्षेत्र है, इसलिए हमें यह जानकर बहुत खुशी हुई कि मुख्यमंत्री ने इस पर इतना सकारात्मक रुख अपनाया है। कैट के महानगर महामंत्री तरुण जैन ने कहा दुकानों के समय को पूर्व-कोविद दिनों में बहाल करना एक बहुत ही सकारात्मक कदम है और हम इसका स्वागत करते हैं। यह कदम व्यापार की उत्सव की भावना और मूड को बढ़ाएगा। हम उम्मीद करते हैं कि जल्द ही नए समय लागू करने के आदेश का पालन स्थानिक शासन द्वारा करवाया जाएगा।

एक बार फिर से हिन्दू, मुस्लिम, सिख, ईसाही हम सब एक है जय हो सेवा चैरिटेबल ट्रस्ट की टीम नए जैसे हर तेत्योहार एक साथ मिलकर मानया वैसे फिर एक साथ मिलकर जशन ईद -ए -मिलाद -उन -नबी की मुबारकबाद मनाया गया नियाज का कार्यक्रम रखा गया नारायण नगर होम गार्ड घाटकोपर (वेस्ट) मुंबई 86 ट्रस्ट के मेंबर्स रमजान अली चौधरी, जय हिंद कुमार प्रजापति, सुखबीन्दर सिंह, रफीक खान, मेघराज खाणेता, अरशद शेख, नजीर अहमद शेख और भी गल्ली महोले के लोग मौजूद....

बगहा में व्यवसाई गोलीकांड का हुआ उद्भेदन

प्रसिद्ध व्यवसायी शंभू अग्रवाल के पुत्र अंकित के गोली कांड में सावित्री देवी गिरफ्तार विजय कुमार शर्मा बगहा पश्चिमी चंपारण बगहा अंततोगत्वा पुलिस ने गोलीकांड का उद्भेदन करने में सफलता पा ही ली। पिछले दिनों हुए नगर में गोलीकांड में महिला की गिरफ्तारी हुई है। बगहा एसपी किरण कुमार गोरख जाधव ने बताया कि एसडीपीओ कैलाश प्रसाद के नेतृत्व में गोली कांड के उद्भेदन करने के लिए टीम का गठन किया गया था। बताते चलें कि नगर के प्रसिद्ध व्यवसायी शंभू प्रसाद अग्रवाल के पुत्र अंकित अग्रवाल को गोली मार 6.25 लाख रुपए की लूट करने के मामले में नगर थाने की पुलिस ने एक महिला अपराधी को गिरफ्तार किया है। नगर थाना अध्यक्ष आनंद कुमार सिंह ने बताया कि नगर के डुमवलिया डीह से सावित्री देवी उर्फ सीमा देवी को गिरफ्तार किया गया है, जो लालगंज बैशाली की रहने वाली है। गिरफ्तार महिला अपराधी किराये के मकान पर डुमवलिया डीह में रहती थी। लूट मामले के शामिल अपराधी भी इसी रहते थे एवं महिला इन सभी अपराधियों को संरक्षण देती थी। उन्होंने बताया कि पूछताछ के क्रम में महिला अपराधी ने अपना अपराध को स्वीकार भी किया है। पुलिस ने जांच के क्रम में पाया कि व्यवसायी के दुकान पर कई बार खरीदारी के बहाने आरोपी महिला अपराधी कई दफा गई थी। थानाध्यक्ष ने बताया कि गिरफ्तार महिला के संबंध एक बडे अपराधी से भी है। गिरफ्तार महिला को पूछताछ के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। वहीं इस घटना में शामिल अन्य अपराधियों की भी पहचान कर ली गई है । जिनकी गिरफ्तारी को लेकर पुलिस कार्रवाई कर रही है। इस गोलीकांड के सफल उद्भेदन में बगहा नगर थाना के एसआई सुरेश कुमार यादव मोहम्मद सलाउद्दीन व अन्य पुलिसकर्मियों का सराहनीय सहयोग रहा।

सातारा में पत्नी से झगड़े के बाद पति ने अपने घर में लगाई आग, पड़ोस के 10 घर भी इसमें जले करोड़ों का हुआ नुकसान

सातारा। इस अग्निकांड में संपत्ति को तो बड़ा नुकसान हुआ है, लेकिन सही समय पर घर से बाहर निकलने की वजह से कोई जनहानि नहीं हुई है। महाराष्ट्र के सातारा के पाटण से एक बेहद हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां पत्नी से झगड़े के बाद एक शख्स ने अपने घर में आग लगा दी। गुस्से की यह आग इस कदर भड़की कि इसने कुछ ही देर में पड़ोस के दस घरों को अपनी चपेट में ले लिया और सभी लगभग पूरी तरह जलकर खाक हो गए। पुलिस के मुताबिक, इस अग्निकांड में सभी घरों को मिला दिया जाए तो करोड़ों रुपए का नुकसान हुआ है। पाटण तालुका के मजगांव में हुई इस घटना के बाद पुलिस ने आरोपी पति के खिलाफ केस दर्ज कर उसे अरेस्ट कर लिया है। मजगांव के रहने वाले संजय पाटील का सोमवार दोपहर अपनी पत्नी पल्लवी के साथ झगड़ा हुआ था। मामला इस कदर बड़ा हुआ कि दोनों के बीच नौबत मारपीट की आ गई। इसके बाद संजय इस कदर आगबबूला हुआ कि वह बाहर से पेट्रोल लाया और अपने घर पर छिड़क कर उसे आग के हवाले कर दिया। पेट्रोल की वजह से आग की लपटें इस कदर भयावह हुईं कि इसने आरोपी के पड़ोस के 10 घरों को अपनी चपेट में ले लिया। इस अग्निकांड में सबसे ज्यादा नुकसान संजय के ठीक पड़ोस के चार घरों को हुआ है। पुलिस के मुताबिक, इन घरों में रखे गैस सिलेंडरों की वजह से इस आग ने रौद्र रूप धारण किया। वारदात के बाद आरोपी को पड़ोसियों ने पकड़ कर जमकर पीटा और फिर घसीटे हुए उसे पुलिस स्टेशन तक ले गए।

पत्नी ने भी दर्ज करवाई मारपीट की शिकायत

पुलिस के मुताबिक, इस अग्निकांड में संपत्ति को तो बड़ा नुकसान हुआ है, लेकिन सही समय पर घर से बाहर निकलने की वजह से कोई जनहानि नहीं हुई है। फिलहाल आरोपी पति हवालात में है और पत्नी ने भी उसके खिलाफ मारपीट की शिकायत दर्ज करवाई है।

जमीअत उलमा बीकानेर के तत्वाधान में 3 दिवसीय रक्तदान शिविर के पहले दिन 62 लोगों ने रक्तदान किया

रिपोर्टर सैय्यद अलताफ हुसैन

बीकानेर। जमीअत उलेमा बीकानेर के महासचिव मौलाना मोहम्मद इरशाद कासमी ने बताया कि हजरत मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैही वसल्लम की प्रेरणा से हमने इस रक्तदान शिविर का आयोजन किया ।

जिसका मकसद डेंगू के बढ़ते मरीजो के ईलाज के लिए फ्ळ्इ की जरूरत को पूरा करना था,ताकि इसके वजह से लोगों की जान बचाई जा सके, जमीअत के मेडिकल हैल्प सदस्य सैयद इमरान क बताया कि आज हमारे कैंप का पहला दिन था कल भी सुबह 09 बजे से कैंप पीबीएम हॉस्पिटल के ब्लड बैंक में लगवाया जायेगा। जमीअत उलमा के पदाधिकारी हाफिज अजमल हुसैन का कहना था कि यह हमारा 10वां रक्तदान शिविर था,इस मौके पर ब्लड डॉक्टर ठ.छ. मारवाड़ साहब,अब्दुल मजीद खोखर साहब और डॉक्टर अरुण भारती जी आदि मौजूद रहे,साथ ही पीबीएम के ब्लड बैंक के स्टाफ का बड़ा सहयोग रहा, इस मौके पर सैयद शोएब, सैयद जावेद, कारी शाहिद,अब्दुल कय्यूम खिलजी,दिलशाद अली, रियाज नागौरी,अब्दुल रज्जाक आदि का सहयोग रहा। मौलाना मोहम्मद इरशाद कासमी,जनरल सैक्रेट्री जमीअत उलमा बीकानेर।

यूपी के लखीमपुर खीरी के डीएम ने बाढ़ को लेकर जारी किया अलर्ट

संवाददाता/अरमान उलहक

लखीमपुर। डीएम डॉ. अरविंद कुमार चौरसिया ने जिले में बाढ़ को लेकर गंभीर चेतावनी जारी की। उन्होंने बताया कि बनबसा से आज 08 बजे तक 04 लाख 71 हजार क्यूसेक पानी डिस्चार्ज हो चुका है। जिसकी गति बहुत तेज है। यह दोपहर 03 बजे तक पहुंच सकता है।

डीएम ने एसडीएम गोला, एसडीएम धौराहरा, एसडीएम निघासन, एसडीएम पलिया व एसडीएम सदर को निर्देश दिया कि वह मुनादी कर संभावित प्रभावित गांवों में निचले इलाकों को खाली कराएं। उन्होंने बताया कि नेपाल राष्ट्र में भारी बारिश हुई है, अगले 24 घंटे भी भारी बारिश की संभावना है। अतः सभी संबंधित अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि नदी

के आसपास ना तो किसी को जाने दिया जाए और ना ही नदी की सीमा से 50 मीटर की परिधि में किसी को रहने दिया जाए। निचले इलाकों से ग्रामीणों को निकालकर निकटवर्ती स्कूलों व बाढ़ राहत चौकियों में सुरक्षित पहुंचाया जाए। उन्होंने सीडीओ को ग्राम सचिव व डीएसओ को कोटेदार के जरिये सभी संभावित प्रभावित गांवों तक यह चेतावनी एवं सूचना प्रसारित कराने के निर्देश दिए। घबराएं नहीं, सावधान रहें, सुरक्षित रहें और प्रशासन का सहयोग करें।

रिजवान खान का एक बार फिर सराहनीय काम रक्तदान देकर महिला को दिया जीवनदान

रिपोर्टर सैय्यद अलताफ हुसैन

बीकानेर। बीकानेर के रिजवान खान ने अपना 52 रक्तदान देकर महिला को जीवनदान दिया। रिजवान खान ने बताया कि नोखा मंडी निवासी एक महिला मंजू देवी सुथार कोठारी हॉस्पिटल मे एडमिट हुई थी। देर रात्रि करीब डेढ़ बजे उसे एसडीपी प्लेटलेट्स की आवश्यकता हुई फिर तुरंत रिजवान खान ने डोनेट किया।रिजवान खान ने बताया कि अब तक 47 आरडीपी ओर 5 एसडीपी प्लेटलेट्स डोनेट कर चुके हैं। ओर आगे भी सर्वधर्मो ओर देश के लिये सेवा करते रहगें।

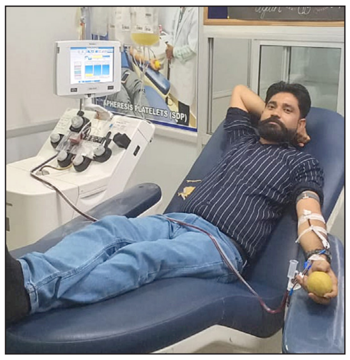

यूपी विधानसभा चुनाव में चालीस प्रतिशत टिकट महिलाओं को देगी कॉग्रेस

प्रियंका गाँधी ने दिया नया नारा... 'लड़की हूँ लड़ सकती हूँ'

संवाददाता/अरमान उलहक

लखनऊ। उत्तर प्रदेश 2022 विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी 40% टिकट महिलाओं को देगी। पार्टी की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी ने लखनऊ में प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह ऐलान किया प्रियंका ने कहा कि यह फैसला तमाम पीड़ित महिलाओं के न्याय के लिए है। प्रियंका गांधी ने नया नारा भी दिया कि लड़की हूं लड़ सकती हूं

इससे पहले, प्रियंका ने मंगलवार को योगी सरकार पर जमकर निशाना साधा था। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा- भाजपा सरकार किसानों पर ठरअ (नेशनल सिक्योरिटी एक्ट) लगाएगी, किसानों को धमकाएगी, लेकिन

किसानों को टरढ नहीं देगी। यूपी के कई जिलों में किसान 900-1000 रुपए प्रति क्विंटल का नुकसान उठाकर धान बेचने को मजबूर हैं यह अन्याय है। टरढ किसानों का हक है कांग्रेस पूरी मजबूती से उनके इस हक के लिए लड़ेगी।

दरअसल, प्रियंका ने उत्तर प्रदेश के एडीजी लॉ एंड ऑर्डर प्रशांत कुमार के बयान पर पलटवार किया है। सोमवार को लखीमपुर हिंसा को लेकर किसानों ने रेल रोको आंदोलन किया था। इस पर उत्तर प्रदेश के एडीजी प्रशांत कुमार ने कहा था कि यदि किसी ने कानून व्यवस्था को अपने हाथ में लेने का प्रयास किया तो सख्त कार्रवाई होगी।एन एस ए भी लगाया जाएगा।

जश्ने आमदे रसूल जुलूस ए मुहम्मदी उस्ताद हाजी हमीम बक्ष की सदारत में कोरोना की तीसरी लहर की गाइडलाईन में मनाया गया

रिपोर्टर सैय्यद अलताफ हुसैन

जोधपुर। ईदमिलादुन्नबी जलसा समिति के अध्यक्ष उस्ताद हाजी हमीम बक्ष की सदारत में 'जश्ने आमदे रसूल जुलूस ए मुहम्मदी' उस्मानिया कुतुबखाना के मौलाना मोहम्मद अफजल के मेहमान ए खुसुसी व जलसा समिति के उस्ताद सलीम सैफी, उस्ताद अब्दुल वहीद खान, उस्ताद मोहम्मद रफीक कुरैशी, उस्ताद सुबराती खान अब्बासी, शौकत अली लोहिया, उस्ताद मोहम्मद शफी, उस्ताद आबिद छीपा,शमसूदीन चूनदडीघर स्थानीय पार्षद इरफान बैली, पार्षद नदीम इकबाल, उस्ताद मोईनुद्दीन, रमजान अली पप्पू, अ अजीज पठान, रईस बक्ष, मोहम्मद एजाज, मोहम्मद फिरोज, बबली आलम, राजू इश्तियाक अली, रशीद जिन्दरान, उस्ताद सलीम शहजाद, उस्ताद नवाब अली शाह,निसार बाउजी, फैजान बक्ष,ताहिर खान, पिन्टू, सोनू व प्रवक्ता नदीम बक्ष की मौजूदगी में राज्य सरकार, जिला व पुलिस प्रशासन की कोरोना गाइडलाइन में पुराना स्टेडियम परिसर में मौलाना यार मोहम्मद के नाते पाक के साथ देश में अम्नो-शांति और वैश्विक महामारी कोरोना और डेंगू की निजात की दुआओं के साथ मनाया गया।

जलसा समिति के प्रवक्ता नदीम बक्ष ने बताया कि नाते पाक के साथ देश में अम्नो-शांति और वैश्विक महामारी कोरोना और डेंगू की निजात की दुआओं के बाद पुलिस प्रशासन की देखरेख में ईद मिलादुन्नबी जलसा समिति के अध्यक्ष उस्ताद हाजी हमीम बक्ष की सदारत में 'जश्ने आमदे रसूल जुलूस ए मुहम्मदी' ईद मिलादुन्नबी जलसा समिति के मात्र कुछ

पदाधिकारियों की मौजूदगी में एक खुली जीप में दो-चार मोटर साईकल के छोटे से काफिले के रूप में शांति के साथ सादगी का पैगाम देते हुए पूराना स्टेडियम से होकर बम्बा, हाथीराम का ओडा, कद्दुस की होटल, सोजती गेट, एम. जी.एच. रोड से होते हुए जालोरी गेट स्थित ईदगाह में पहुंचकर झण्डे की रस्म के साथ इख्तिताम हुआ।

जलसा समिति के अध्यक्ष उस्ताद हाजी हमीम बक्ष ने कहा कि 'जश्ने आमदे रसूल जुलूस ए मुहम्मदी' ईद मिलादुन्नबी के मौके पर हर साल लाखों लोगों की मौजूदगी में बड़े हर्षोल्लास, आपस में भाईचारगी, मुहब्बत व कौमी एकता के साथ निकालकर मनाया जाता है, लेकिन इस साल कोरोना की तीसरी लहर व डेंगू के प्रकोप को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार, जिला व पुलिस प्रशासन की कोरोना गाइडलाइन में मात्र कुछ लोगों की मौजूदगी में देश में अमन व शांति की मिसाल पेश की गई। जश्ने आमदे रसूल मौके पर मोहम्मद सलीम कादरी की स्मारिका के सिल्वर जुबली अंक दीनी ऐलान व नमाज की किताब का भी विमोचन किया गया।

चीन की नयी साजिश का सच..!

दमा, आंख की बीमारी फैलाने वाले पटाखे भेज रहा ड्रैगन?

पाकिस्तान के कहने पर ही चीन ने ऐसे पटाखे और बल्ब बनाये हैं, जो लोगों की सेहत बिगाड़ सकते हैं. भारत सरकार की संस्था पीआईबी ने इसका फैक्ट चेक जारी किया है...

सीमा पर लगातार तनाव बढ़ाने की कोशिशों में जुटा चीन अब नयी चालबाजी कर रहा है. दीपावली और छठ पर भारत में बड़े पैमाने पर पटाखे छोड़े जाते हैं. इस दौरान प्रदूषण भी तेजी से बढ़ता है. इसी की आड़ में चीन ऐसे पटाखे और बल्ब भारत को निर्यात कर रहा है, जिससे दमा और आंख की बीमारियां बढ़ जायेंगी. पाकिस्तान के कहने पर चीन ने ऐसे पटाखों और बल्ब का निर्यात करना शुरू किया है.

भारत सरकार के गृह मंत्रालय ने कथित तौर पर यह जानकारी सार्वजनिक की है. यह मैसेज सोशल मीडिया में तेजी से वायरल हो रहा है. कहा जा रहा है कि पाकिस्तान को पता है कि वह भारत के साथ कभी भी सीधी लड़ाई न तो लड़ सकता है, न ही जीत सकता है. इसलिए उसने भारत के एक और दुश्मन चीन के साथ अपनी दोस्ती बढ़ायी है और भारत को परेशान करने का आग्रह ड्रैगन से किया है.

पाकिस्तान के कहने पर ही चीन ने ऐसे पटाखे और बल्ब बनाये हैं, जो लोगों की सेहत बिगाड़ सकते हैं. लेकिन, भारत सरकार की संस्था पीआईबी ने इसका फैक्ट चेक जारी किया है. इसमें कहा गया है कि चीन से बीमारी फैलाने वाले विशेष प्रकार के पटाखों और बल्ब के बारे में भारत सरकार के गृह मंत्रालय ने कोई मैसेज जारी नहीं किया है. यह खबर पूरी तरह से गलत और भ्रामक है.

स्कूल बंद होने से बच्चों में बढ़ी नेगेटिविटी

घेर रहा अकेलापन और डिप्रेशन

लॉकडाउन और स्कूलों से दूर रहकर पढ़ाई करने के बाद अब बच्चे स्कूल की ओर लौट रहे हैं। इसे लेकर छात्र चिंतित हो सकते हैं कि उनकी वापसी की अनिश्चितता का अकादमिक और सामाजिक रूप से उनके लिए क्या मतलब हो सकता है। कई छात्रों के घरों पर हो सकता है कि आर्थिक तनाव जैसी कोई परेशानी चल रही हो जिसका असर पढ़ाई के साथ-साथ उनके मानसिक स्वास्थ्य पर भी पड़ सकता है। अध्ययन बताते हैं कि स्कूल बंद होने से बच्चों में नकारात्मक भावना बढ़ी है। लम्बे समय तक घरों में रहे बच्चे अवसाद, चिंता, अकेलेपन की ओर बढ़ रहे हैं। व्यग्रता के सामाजिक और भावनात्मक प्रभावों पर तो अध्ययन हुए हैं लेकिन कई लोगों को यह मालूम नहीं होगा कि चिंतित रहने की इस स्थिति का बच्चे के आकादमिक कार्य पर भी प्रभाव हो सकता है। ऑस्ट्रेलिया के सात लोगों में से एक को बेचैनी का अहसास हो रहा है। बच्चों में व्यग्रता चिंता का विषय है क्योंकि 6.1 फीसदी लड़कियां और 7.6 फीसदी लड़के इससे प्रभावित हैं। अध्ययन बताते हैं कि व्यग्रता की परेशानी औसतन 11 वर्ष की आयु में हो सकती है। खास बात यह है कि ये आंकड़े महामारी से पहले के हैं।

केमिकल ब्लीच की जगह सोने से पहले लगाएं घर का बना फेसपैक

निखर जाएगी रंगत

खूबसूरत दिखने के लिए त्वचा का रंग गोरा होना जरूरी नहीं है। अगर गोरे होने के बावजूद भी आपके चेहरे पर दाग-धब्बे हैं तो आपका आकर्षण कम हो सकता है। वहीं क्लियर स्किन भले ही सांवली हो, हर जगह तारीफ पाती है। कुछ लोग दाग-हटाने के लिए स्किन पर ब्लीच लगाते हैं। ब्लीच की अमोनिया स्किन को नुकसान पहुंचाती है। स्किन हेल्दी रहे इसके लिए आपको महंगी कॉस्मेटिक्स खरीदने की जरूरत नहीं। आप किचन और घर पर मौजूद सामान से भी त्वचा की रंगत निखार सकती हैं। यहां एक ऐसा घरेलू पैक है जिससे न सिर्फ चेहरे के दाग-धब्बे कम होंगे बल्कि रेग्युलर इस्तेमाल करने से चेहरे पर ग्लो आएगा।

आपको चाहिए

आप दागरहित निखरी त्वचा चाहती हैं तो सबसे पहले इसकी साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखें। वहीं सोते वक्त जब आप स्किन पर कुछ लगाती हैं तो रातभर इसे त्वचा पर असर दिखाने का वक्त मिल जाता है। लोग इसके लिए महंगी नाइटक्रीम या सीरम लगाते हैं। आप घर पर ही मैजिक क्रीम तैयार कर सकती हैं। इसके लिए आपको चाहिए ऐलोवेरा जेल। अगर आपके घर पर प्लांट है तो और भी अच्छी बात है वर्ना बाजार का ले सकते हैं। विटामिन ई कैप्सूल, हल्दी, नारियल तेल, केसर के लच्छे (अगर हैं तो)

ऐसे लगाएं

एक बार का मिक्सचर बनाने के लिए एक छोटी चम्मच ऐलोवेरा जेल लें। इसमें एक चुटकी हल्दी मिलाएं। अब इसमें दो बूंद नारियल का तेल और विटामिन ई कैप्सूल तोड़कर डालें। केसर के लच्छों को छोटा करके इसमें डालें और मिक्सचर को अच्छी तरह चला लें। मिक्सचर को 2, 3 घंटे तक रखा रहने दें। सोते वक्त पूरे चेहरे और गर्दन पर लगाकर छोड़ दें। सुबह पानी से मुंह धो लें।

होते हैं ये फायदे

आप इस मिक्सचर को बनाकर फ्रिज में भी रख सकते हैं। हल्दी ऐंटी बैक्टीरियल होती है जो कि ऐक्ने, पिंपल से बचाती है। साथ ही रंगत भी निखारती है। विटामिन ई स्किन के लिए काफी अच्छा माना जाता है, इससे झुर्रियों से बचाव होता है। ऐलोवेरा स्किन को नमी और ठंडक देता है वहीं नारियल का तेल स्किन से दाग-धब्बे हटाता है साथ ही सॉफ्टनेस बनाए रखता है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर